B.A. (Hons) Part III
Philosophy Paper VII

Topic - वर्णनात्मक परिभाषा

Dr. Sachidanand Prasad
Dept. of Philosophy
R.R.S. College, Mokama

शब्द के सम्पूर्ण भाव को अभिव्यक्त करनेवाले निर्णय को परिभाषा कहते हैं। इसप्रकार ऐसी परिभाषा जिसमें परिभाष्य पद के संदर्भ में उसके आवश्यक गुण के आधार के साथ परिभाष्य पद की सहजता से पहचान करा सकनेवाली बातों का उल्लेख किया जाता है उसको वर्णनात्मक परिभाषा कहते हैं। इसतरह हमलोग यह कह सकते हैं कि वर्णनात्मक परिभाषा में निम्नलिखित बातें पाई जाती हैं।

① इस परिभाषा का लक्ष्य, वस्तु की पहचान कराना होता है। वर्णनात्मक परिभाषा का लक्ष्य वस्तु की पहचान कराना होने के कारण इसमें वस्तु से सम्बद्ध अनेक आवश्यक गुणों का भी उल्लेख किया जाता है। उदाहरण के लिए, राम एक परिश्रमी, सत्य, दृढ़, सुशील एवं आकर्षक व्यक्तित्व का प्रतिभावान व्यक्ति है।

② यह परिभाषा व्यक्ति अथवा वस्तुओं की होती है न कि पदों की। वर्णनात्मक

परीभाषा के अन्तर्गत वस्तु अथवा व्यक्ति का वर्णन किया जाता है न कि पदों का। उदाहरण के लिए लोमड़ी एक जन्तु है जो बनावट में कुत्ते से मिलती जुलती है लेकिन आकार में कुत्ते से छोटी है।

(3) वर्णनात्मक परीभाषा की विशेषता यह है कि वर्णनात्मक परीभाषा हमेशा व्यक्तिवाचक पदों की होती है न कि जातिवाचक पदों की।

(4) यह परीभाषा लौकिक होती है न कि वैज्ञानिक। वर्णनात्मक परीभाषा करते समय स्मरण शक्ति की आवश्यकता होती है न कि बुद्धि की क्योंकि किसी पद अथवा वस्तु के व्यावर्तक गुणों को समझने के लिए बुद्धि की आवश्यकता होती है जबकि इस परीभाषा में पद के व्यावर्तक गुणों का उल्लेख नहीं किया जाता है।

(5) वर्णनात्मक परीभाषा में वस्तु के पूर्ण स्वभाव का उल्लेख नहीं किया जाता है इसलिए किसी वस्तु की दो व्यक्तियों के द्वारा दी गई परीभाषा में अन्तर होता है।

(6) वर्णनात्मक परीभाषा की विशेषता यह है कि इस परीभाषा में पद के आकस्मिक गुणों का भी वर्णन किया जाता है। इस परीभाषा में व्यक्ति या वस्तु के आकस्मिक गुण, सहज गुण और कभी कभी वस्तु के गुण के एक अंश का भी उल्लेख किया जाता है